विचार बिन्दु

धन से हम जीवन की सारी सुख सुविधा तो हासिल कर सकते हैं, पर जीवन में सुकून केवल अच्छे कर्मो से ही आता है। - अरविन्द कटोच

नव वर्ष, हर्ष नव, जीवन उत्कर्ष नव, नव उमंग, नव तरंग, नवल चाह, जीवन का नव प्रवाह, नव वर्ष 2024 में भारत, विश्व में नई उम्मीद बनकर उभरेगा

बड़े-बड़े ज्योतिषियों की भविष्यवाणी अथवा अंतर्राष्ट्रीय भविष्य के ज्ञाता नास्त्रेदमस, संत अच्युतानंदन, बाबा बेंगा की भविष्यवाणी को समझे तो यह स्पष्ट होगा कि वर्ष 2024 में युगांतकारी परिवर्तन आएंगे। जलवायु परिवर्तन (ग्लोबल वार्मिंग) के कारण ऋतु परिवर्तन होंगे। बे-मौसम बरसात होगी। भूकंप-सुनामी कहर ढाएगी। तूफान देशों को निगल जाएंगे, भूचाल आएगा। सर्द देश गर्म होंगे और गर्म देशों (रेगिस्तान) में स्नोफॉल होगा। समुद्र अपनी सीमाएं लांघेगा। धरती की उपजाऊ क्षमता कम होगी। एटम बम के बाद अब घातक मिसाइलों का युग प्रारंभ होगा। गाजा, इजरायल, हमास, यूक्रेन व रूस की लड़ाई शीघ्र ही विश्वयुद्ध में परिवर्तित हो सकती है। दलाई लामा ने सही कहा है, तीसरा विश्वयुद्ध होगा। जापान में जो भूकंप आया है, उसने दुनिया को हिला दिया है। गाजा, यूक्रेन व यमन ने दुनिया की टेंशन बढ़ा दी है। इसरो ने नया इतिहास लिखा है। भारत में जो नए डवलपमेंट हो रहे हैं, उनके अनुसार भारत बुलेट ट्रेन से 5 गुनी रफ्तार से नई प्रकार की ट्रेन चलाएगा। भारत एक बड़ी आर्थिक शक्ति होकर रहेगा। भारत ने जो विकास की गति प्राप्त की है, उसे कोई नहीं रोक पाएगा। धरती मां भारत का साथ दे रही है। लिथियम व टाइटेनियम जैसे रेयर अर्थ का भंडार धरती ने उसे दिये हैं जो विकास का नया इतिहास लिखेंगे। नईं गाडियां (कार) आएंगी। उनके हॉर्न भी नहीं बजेंगे। 2024 में भारत की संसद के चुनाव होंगे। इसी समय पाकिस्तान-बांग्लादेश में भी आम चुनाव होंगे। अमेरिका-ब्रिटेन में भी चुनाव होंगे। 40 देशों में चुनाव होंगे। ऐसा अनुमान है कि 4 अरब आबादी मतदान करेगी। ये चुनाव संघर्षमय होंगे।

केजरीवाल का ममता के साथ, बीजेपी घटकों के साथ कांग्रेस के विरूद्ध एकजुट होना संभव नहीं है। मायावती क्या खेल खेलेगी, अभी कहा नहीं जा सकता है। टिकटों का बंटवारा इंडिया में हो सकेगा, संभव प्रतीत नहीं होता। इंडिया से कौन प्रधानमंत्री बनेगा, इस पर सहमति होना असंभव दिखाई दे रहा है। नीतीश कुमार पर क्या इंडिया घटकों को विश्वास हो सकता है?

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य माना गया है। रूस के पूर्व राष्ट्रपति को, ट्रंप को भी वहां की कोर्ट ने चुनाव में खड़े होने के लिए अयोग्य ठहराया है। भारत की राजनीति में परिवर्तन आया है। बीजेपी का अंतिम ऑपरेशन हो चुका है। मोदी ने आरएसएस को बदला है, उसकी विचारधारा को बदला है। मोदी-शाह व बीजेपी के अध्यक्ष नड्डा ने स्पष्ट कर दिया है कि नेताओं की सीनियोरिटी का अधिक महत्व नहीं है। राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनावों के बाद जिस प्रकार नई सरकार का गठन किया है, उसने सबको चौका दिया है। बड़े-बड़े नेताओं के स्थान पर कार्यकर्ताओं को अधिक महत्व दिया गया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल का चयन अद्भुत ही कहा जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल के मंत्रिमंडल में 22 मंत्रियों में 17 ऐसे हैं, जो पहली बार विधायक बने है। भाजपा ने प्रत्येक वोट बैंक को प्रतिनिधित्व दिया है। विधायक बाबूलाल खराड़ी को मंत्री बनाकर आदिवासी क्षेत्रों को संदेश दिया है कि उन जैसा आम आदमी भी मंत्री बन सकता है। भारत की राजनीति में एक नया मोड़ आया है। 2024 में संसद के चुनावों में न सीनियोरिटी चलेगी और न व्यक्ति का पद। संसद का टिकट उसी को मिलेगा, जो स्वयं के बल पर अपनी सीट जीत सके। टिकट उसी को मिलेगा, जिसे मोदी-शाह व बीजेपी अध्यक्ष की स्वीकृति मिलेगी। तीन राज्यों में चुनाव के बाद वहां जो सरकार का गठन हुआ है, उसने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि धुरंधर नेता को भी घर बिठाया जा सकता है, उसका पत्ता काटा जा सकता है। मोदी के चेहरे अथवा मोदी के चुनाव प्रचार का अधिक लाभ नहीं मिल सकेगा। चुनाव यदि बीजेपी बनाम इंडिया हुआ तो गणित कहता है कि इंडिया के घटकों के पास बीजेपी व उसके घटकों से अधिक मत है। यह आकलन है कि सांसद भी अधिक है और 3 करोड़ मतदाता अधिक है। प्रश्न यही है कि क्या गठबंधन संगठित रह सकता है। केजरीवाल व ममता क्या करेंगे, स्पष्ट नहीं कहा जा सकता। केजरीवाल का ममता के साथ, बीजेपी घटकों के साथ कांग्रेस के विरूद्ध एकजुट होना संभव नहीं है। मायावती क्या खेल खेलेगी, अभी कहा नहीं जा सकता है। टिकटों का बंटवारा इंडिया में हो सकेगा, संभव प्रतीत नहीं होता। इंडिया से कौन प्रधानमंत्री बनेगा, इस पर सहमति होना असंभव दिखाई दे रहा है। नीतीश कुमार पर क्या इंडिया घटकों को विश्वास हो सकता है? राहुल गांधी पीएम का चेहरा होते हैं तो खरगे का क्या होगा। कांग्रेस 295 सीटों पर भाजपा से चुनाव लड़ेगी। केजरीवाल को पंजाब में किसी अन्य पार्टी का दखल स्वीकार नहीं है। कांग्रेस क्या राहुल गांधी के अतिरिक्त अन्य चेहरे पर सहमत हो सकती है। नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के संयोजक होंगे, क्योंकि उन्हें बनाकर ही इंडिया गठबंधन को बचाया जा सकता है। क्या बीजेपी गठबंधन इंडिया के किसी घटक (शरद पंवार) को अपने साथ ले सकता है। कहने का अर्थ है, स्थिति किसी भी प्रकार स्पष्ट नहीं है। समय की हमें प्रतीक्षा करनी होगी। यह भी चर्चा का विषय है कि कांग्रेस 9 राज्यों से चुनाव में गठबंधन कर सकती है। यह अजीब-सा लगता है कि चुनाव के समय राहुल गांधी अपनी न्याय यात्रा पर रहेंगे। मोदी भाईजान अथवा मुस्लिम महिलाओं का सम्मेलन भारत की राजनीति को क्या रंग देगा, यह तो भविष्य ही बतला सकेगा। मोदी ने बिसात बिछाई है, उसे क्या कोई चुनौती दे पायेगा? इंडिया के घटकों के कई नेताओं पर ईडी की कार्यवाही चल रही है, कहा जाता है कई नेता जेल जा सकते हैं, फिर उनकी पार्टी का क्या होगा। 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम मंदिर के उद्घाटन व प्राण-प्रतिष्ठा के समय मोदी विरोधी पार्टियों के नेताओं के निमंत्रण ने उन्हें संकट में डाल दिया है। इसका असर भी संसद के चुनावों पर पड़ सकता है। मोदी का विकास मंत्र अपना प्रभाव डाल रहा है। यह कहा गया है कि 2024 में भारत 24 हजार करोड के रक्षा उपकरण निर्यात करेगा। जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज) वास्तविक घटना है। उसी प्रकार विश्व की इकोनॉमी है। यह वर्ष ग्लोबल इकोनॉमी के लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा। अमरीका व चीन दोनों ही आर्थिक महाशक्तियां है, किंतु दोनों ही देश स्ट्रक्चरल समस्याओं से जूझ रहे हैं। अमरीका में भयंकर आर्थिक मंदी है और चीन का विशिष्ट आर्थिक मॉडल नष्ट हो रहा है। चीन की अर्थव्यवस्था मंदी की ओर बढ़ रही है। अमरीका व चीन की गिरती हुई आर्थिक व्यवस्था का असर भारत पर भी पडेगा, किंतु यह सिर उठाकर कहा जा सकता है कि भारत की आर्थिक व्यवस्था नियंत्रित है। हां, विश्व अर्थव्यवस्था पर इजरायल-हमास, रूस-यूक्रेन का युद्ध तीसरे महायुद्ध की झांकी है। यह माना जा सकता है कि यदि युद्ध हुआ और तेल उत्पादक देश इसमें शामिल हुए, तो कई देशों की अर्थव्यवस्था डगमगा जाएगी। भारत भी इससे प्रभावित होगा। ताइवान को लेकर चीन का भय उसे खाये जा रहा है। भाजपा जानती है कि दक्षिण-भारत में वह कमजोर है। मोदी इसे पूरा करने के लिए विकास की चुनावी बाजी खेल रहे हैं। 2-3 जनवरी को मोदी ने 19,850 करोड की विकास योजनाओं का शिलान्यास किया है। इंडिया के पास देश के विकास हेतु ऐसी कोई योजना नहीं है। उसके पास दो नारे हैं, एक तो '' हम जाति आधारित सर्वेक्षण कराएंगे'' तथा दूसरा ओबीसी का विस्तार हमारी प्राथमिकता है।'' क्या चुनाव से पूर्व विकास की योजना की घोषणा को फ्रीबिज नहीं कहा जा सकता। इसे परिभाषित करना आवश्यक है। चुनाव कानून में इस बाबत प्रावधान किया जाना आवश्यक है। इंडिया अथवा भाजपा घटक कोई भी चुनाव जीते, देश का विकास तो करना ही होगा। उसे संविधान के चेप्टर-4 व अनुच्छेद 51 में दिए गए कर्तव्यों की पालना करनी होगी। भारत में जगत गुरु बनने की क्षमता है तथा उसे सबको रोजगार उपलब्ध कराना होगा और भ्रष्टाचार के पाप को मिटाना होगा। चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने नए वर्ष के प्रारंभ पर यह स्वीकार किया है कि ज्यादा राजनीतिक नियंत्रण से चीन में भयावह आर्थिक संकट पैदा हुआ है। भारत को भी यानी वर्तमान मोदी सरकार को इससे सीख लेना चाहिए कि अधिक राजनीतिक नियंत्रण देश के लिए उचित नहीं है। धर्म को राजनीति से दूर रखना ही होगा। अयोध्या के राम मंदिर को राजनीति में लाना खतरों को निमंत्रण देना है। यह स्वीकृत सिद्धांत है कि अहम् के पैर नहीं होते। अहम् पतन का मार्ग है। 2024 का यह नया वर्ष विश्व के अस्तित्व के लिए एक बड़ी चुनौती है। अब तक की घटनाएं बतला रही है कि युद्ध जमीन पर ही नहीं समुद्र पर भी लड़ा जाएगा। भारत ने अपने कई युद्ध पोत हिंद महासागर में उतार दिए है। रूस-यूक्रेन का युद्ध आकाश में मिसाइलों द्वारा लड़ा जा रहा है। यदि ये लोकल युद्ध तीसरे विश्वयुद्ध में परिवर्तित हुए तो मानव सभ्यता के अस्तित्व को ही खतरा हो जाएगा। जापान में आया भूकंप और सुनामी, जलवायु परिवर्तन के कारण और महायुद्ध के साये में हम जी रहे हैं। पुतिन ने बदले की भावना से संकल्प लिया है कि वह यूक्रेन को पूर्ण रूप से तबाह करेगा, अत: रूस वहां पर बारूद की वर्षा कर रहा है, मिसाइल दाग रहा है और उसने यूक्रेन के कुछ भाग को अपने कब्जे में भी ले लिया है। नाटो देश व ब्रिटेन यूक्रेन की सहायता कर रहे हैं। अत: पुतिन आग-बबूला है। इसका परिणाम होगा तीसरा महायुद्ध। इन सब विपरीत परिस्थितियों में यह कयास करना कठिन नहीं है कि संभवत: हम 2025 को देख भी पाएंगे या नहीं।

सबको सन्मति दे भगवान।

अतिथि सम्पादक
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश,
राजस्थान हाई कोर्ट

आप भरे पेट होकर भी भूख से ग्रसित हो सकते हैं

डॉ. रामावतार शर्मा

ब्रिटेन विश्व की प्रथम सात अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। 22 दिसंबर को वहां के एक मुख्य अखबार 'द गार्जियन' में छपी एक खबर के अनुसार सन् 2022 के दौरान वहां के अस्पतालों में कोई आठ लाख ऐसे रोगी भर्ती हुए जो कुपोषण से संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे। भारत के किसी भी मोहल्ले के क्लिनिक पर देखा जा सकता है कि अधिकतर रोगी किसी न किसी कुपोषण की वजह से ही विभिन्न लक्षणों एवम् बीमारियों से ग्रसित हैं। पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का दावा भारत भी कर रहा है परंतु टेलीविजन पर देश के प्रधानमंत्री स्वयं विज्ञापनों द्वारा प्रचार करते हैं कि अस्सी करोड़ लोगों को दो वक्त की रोटी भारत सरकार अनुदान स्वरूप देती है। ये सब बातें इंगित कर रही हैं कि भूख का सम्राज्य पूरी दुनिया पर आज भी स्थापित है। सूडान, माली, इथियोपिया आदि की तो बात ही छोड़िए अमेरिका में भी बेघर तथा भूखे लोगों की एक बड़ी दुनिया है।

मामूली-सा धनी बना मध्यम वर्ग अपने चारों तरफ फैली गरीबी, भूख और अन्न असुरक्षा के प्रति पूरी तरह से उदासीन है। वह इस बात को अनदेखा कर रहा है कि भूख एक दिन उसके घर पर भी दस्तक दे सकती है। जिस तरह से दुनिया में लोग दीर्घायु हो रहे हैं, आबादी बढ़ रही और कृषि भूमि कम हो रही है उसके अनुपात में कृषि विकास पर धन का व्यय नहीं हो रहा है। बहुत से किसान सरकारी मुआवजे की उम्मीद में निष्क्रिय होने लगे हैं, मनरेगा में कोई स्थाई कार्य नहीं हो रहा है। चुनावी वायदों में अल्पकालीन लाभ की ही बातें होती हैं, दीर्घकालीन योजनाओं पर न तो कोई बात होती है और न ही कोई सवाल पूछे जाते हैं। इस सारे माहौल के पीछे वैश्विक भूख अपना क्षेत्र बढ़ाती जा रही है। भूख का बड़ा विस्फोट किसी भी समय हो सकता है।

2030 तक विश्व की खाद्य समस्या समाप्त करने की बात अब एक सपना बनती दिख रही है। विश्व खाद्य संगठन के अनुसार दुनियाभर में 80 करोड़ लोग हर समय कुपोषण से पीड़ित रहते हैं। ये वे लोग हैं जिन्हें पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा है। दूसरी तरफ उच्च मध्य और धनी वर्ग में अत्यधिक असंतुलित और कैलोरी की अधिकता वाला भोजन हानिकारक होता जा रहा है। भोजन की उपलब्धता का मतलब यह नहीं है कि संतुलित तथा आवश्यकतानुसार भोजन लिया जा रहा है। भारत की बात की जाए तो खाद्य पदार्थों का रख रखाव सही नहीं है, भोजन को पकाने के कितने ही तरीके सही नहीं हैं और स्वच्छ पानी की उपलब्धता नहीं के बराबर है। संतुलित भोजन एवम् संबंधित विषयों के बारे में जन चेतना का अभाव है तथा इस संदर्भ में लोगों के ज्ञान में भी बड़ी कमियां देखी जाती हैं।

पौष्टिक और ऑर्गेनिक भोज्य पदार्थ बहुत महंगे और एक सामान्य नागरिक की पहुंच से परे हो गए हैं। धरती के विभिन्न भागों में युद्ध, वातावरण में होने परिवर्तन, मुद्रास्फीति, प्राकृतिक आपदाएं और कृषि अनुसंधान के लिए धन की कमी आदि कई कारण बनते जा रहे हैं जो आने वाले समय में लोगों को भूखा रख सकते हैं। राजनीति कारणों से धन लोकप्रिय एवं वोट बटोरने वाली योजनाओं में जा रहा है जिसके फलस्वरूप कृषि विकास के लिए धन कम ही आवंटित होता है। इन नीतियों के दुष्परिणाम अगले दस पंद्रह साल में सामने आने लगेंगे। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि अगली भुखमरी वातावरण तथा भौगोलिक घटनाओं के कारण यकायक आ सकती है। भारत सहित दुनिया के कई देश इस स्थिति का सामना करने के लिए तैयार नहीं हैं। भारत की भूमि का कोई तीस प्रतिशत (9.6 करोड़ हेक्टेयर) हिस्सा बंजर हो चुका है या ऐसा होने के करीब है। धरती का उपजाऊपन तेजी से गिरता जा रहा है परंतु इस दिशा में कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। रात दिन फूहड़ राजनीति में व्यस्त नेता लोगों और जनता ने अपनी हर समस्या का समाधान राम भरोसे छोड़ रखा है।

विज्ञान आधारिक ज्ञान गुम होता जा रहा है और हर कोई अलौकिक चमत्कार के भरोसे निष्क्रिय बैठा है। एक तरफ तो युवा शक्ति कृषि के क्षेत्र में भागीदारी की जगह नारेबाजी में व्यस्त है और दूसरी तरफ सरकार के गोदामों में पहले से कम अनाज उपलब्ध है। फल, सब्जी, डेयरी, पोल्ट्री और मछली पालन आदि को यदि कृषि में समाहित नहीं किया जाता है तो संतुलित आहार और आर्थिक संपन्नता संभव नहीं है पर इस दिशा में होने वाले प्रयास प्रभावित नहीं कर रहे हैं। हर तिमाही देश में दवाओं की बिक्री बढ़ती जा रही है जो कुपोषण के फलस्वरूप गिरते स्वास्थ्य की तरफ इशारा कर रही है। पेट को भर लेना मात्र भोजन नहीं होता है। भोजन की गुणवत्ता ही महत्वपूर्ण होती है और इस गुणवत्ता में लगातार गिरावट आती जा रही है। खाली पेट वालों के साथ कितने ही भरे पेट लोग भी गुणविहीन भोजन के कारण तकनीकी तौर पर भूखे ही माने जायेंगे।

डॉ. रामावतार शर्मा

121 दुकानों की भूमि को रेलवे ने अपनी बताकर नोटिस जारी किया

संबंधित दुकानदारों के पास पालिका की ओर से जारी किए गए पट्टे व रजिस्ट्रियां है

रायसिंहनगर, (निसं)। शहर के कचहरी रोड के दुकानदार रेलवे प्रशासन की ओर से अपनी भूमि बताकर बार-बार दिए जा नोटिसों के साए में जी रहे हैं। रेलवे की ओर से जारी किए गए नक्शे के अनुसार कचहरी रोड के पूर्व दिशा में बनी 121 दुकानों की भूमि रेलवे की बताकर नोटिस जारी किए गए हैं। जबकि संबंधित दुकानदारों के पास नगरपालिका की ओर से जारी किए गए पट्टे व रजिस्ट्रियां है। दुकानदारों के अनुसार वे इस जगह पर पांच दशक से पूर्व दुकानें चलाकर अपनी रोजी रोटी कमा रहे है।

उन्होंने नगरपालिका की ओर से निर्धारित शुल्क जमा करवाकर पट्टे भी जारी किए गए है। फिर भी रेलवे विभाग की ओर से बार-बार नोटिस जारी कर संबंधित दुकानदारों को परेशान किया जा रहा है। जिसको लेकर दुकानदारों की ओर से अपनी समस्या को लेकर डीआरएम को अवगत करवाया था। लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई और फिर नोटिस जारी कर दिया गया।

वहीं दूसरे पक्ष के आरटीआई कार्यकर्ता नक्षत्र सिंह ने उक्त दुकानों को रेलवे की भूमि पर नाजायज कब्जा बताते हुए रेलवे सुविधाओं में विस्तार जैसे रेलवे लाइनों का विद्युतिकरण, जंक्शन निर्माण, पावर स्टेशन के निर्माण के अलावा कचहरी रोड़ की यातायात व्यवस्था में बाधा पैदा होने का हवाला देते हुए अतिक्रमण हटाने को लेकर न्यायालय में प्रकरण दायर कर रखा है। दुकानदारों के अनुसार 1933 में रेलवे

- **जिन दुकानों के नगरपालिका ने पट्टे जारी किए, उस भूमि को रेलवे ने अपनी बताकर जारी किया नोटिस**
- **पूर्व में मामले में संबंधित दुकानदार बीकानेर डीआरएम से भी मिले थे और अपना पक्ष रखा था**

विभाग ने एक आदेश जारी कर रेलवे विभाग की निर्धारित जगह 2 सौ फिट से घटाकर 175 करके अपनी हद में दीवार निकाल दी गई। वहीं, पूर्व में चल रहे सिंचाई विभाग के खाला संचालित था जो आबादी बसने के बाद बंद हो गया। जिसके चलते खाले की करीब 16 फिट जगह और शेष रही भूमि पर संबंधित दुकानदार दुकानें बनाकर अपनी रोजी रोटी चलाने लगे। उसके बाद नगरपालिका ने संबंधित दुकानदारों को पट्टे जारी कर दिए। लेकिन रेलवे विभाग ने 2002 को उक्त दुकानों की जगह को अतिक्रमण मान कर संबंधित दुकानदारों अतिक्रमण हटाने को लेकर नोटिस जारी कर दिया। जिसको लेकर संबंधित दुकानदार बीकानेर डीआरएम से भी मिले और अपना पक्ष रखा था।

रमेश फूलिया, अध्यक्ष, रेलवे संघर्ष समिति रायसिंहनगर ने बताया कि संबंधित दुकानदारों को नगरपालिका की ओर से निर्धारित शुल्क जमा करवाकर पट्टे जारी किए गए है। वहीं रेलवे की ओर से अपनी निर्धारित जगह पर निकाली गई दीवार के बाद शेष बची जगह पर उक्त दुकानों का आवंटन किया गया है। अब रेलवे विभाग उक्त भूमि को अपना बताते हुए बार बार नोटिस जारी कर दुकानदारों को परेशान किया जा रहा है। इसके बारे में डीआरएम से मिलकर दुकानदारों की समस्या के बारे से अवगत करवाया गया है।

अनिल कुमार पाल, स्टेशन अधीक्षक, रायसिंहनगर का कहना है कि कहीं न कहीं रिकार्ड में उक्त भूमि रेलवे की है तो ही संबंधित दुकानदारों को रेलवे की भूमि से अतिक्रमण हटाने को लेकर नोटिस जारी किए गए हैं।

अजमेर डिस्कॉम व जलदाय विभाग के अधिकारियों की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम के पंचशील स्थित मुख्यालय पर अजमेर डिस्कॉम व जलदाय विभाग के अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में जलापूर्ति के दौरान होने वाली बिजली ट्रिपिंग की समस्या के निदान के लिए नसीराबाद, केकड़ी व गोयला में आटोमेटिक बस ट्रांसफर सिस्टम को लगाने पर सहमति बनी है।

अजमेर विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक एन एस निर्वाण ने बताया कि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश पर आज पंचशील स्थित निगम मुख्यालय पर पीएचईडी व अजमेर डिस्कॉम के उच्च अधिकारियों के बीच जलापूर्ति के दौरान होने वाली बिजली ट्रिपिंग की समस्या के निराकरण के लिए बैठक हुई। बैठक की जानकारी देते हुए प्रबंध निदेशक एन एस निर्वाण ने बताया कि अजमेर शहर में पानी की आपूर्ति में कई तकनीकी कारणों से व्यवधान पड़ता है, जलदाय विभाग द्वारा एक कारण बिजली ट्रिपिंग भी बताया जाता है। इसके लिए दोनों विभागों ने विस्तृत चर्चा कर एक सिस्टम पर सहमति बनाई है। निर्वाण ने बताया कि अजमेर के तीन पंप हाउस गोयला, नसीराबाद व केकड़ी पर ऑटोमेटिक बस ट्रांसफर सिस्टम लगाया जा रहा है जिससे

- **पेयजल आपूर्ति के दौरान होने वाली बिजली ट्रिपिंग की समाधान पर चर्चा की**
- **नसीराबाद, गोयला व केकड़ी में लगाया जाएगा आटोमेटिक बस ट्रांसफर सिस्टम**

ट्रिपिंग की शिकायत नहीं रहे। इस सिस्टम के तहत लगातार विद्युत आपूर्ति बनी रहेगी और ट्रिपिंग की संभावनाएं लगभग शून्य रहेगी। इसके लिए दोनों विभागों द्वारा समस्त औपचारिकताएं पूरी कर ली गई है। बैठक के दौरान यह निश्चित किया गया कि दोनों विभागों के मुख्य अभियंता से लेकर सहायक अभियंता तक के अधिकारी एक व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ेंगे ताकि किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उसका शीघ्र समाधान निकाल सके। अजमेर डिस्कॉम की विद्युत लाइन की पेट्रोलिंग सहायक इंजीनियर द्वारा सुनिश्चित की जाएगी।

निर्वाण ने बताया कि 2 जनवरी को 11 ट्रिपिंग की जगह तीन ट्रिपिंग आई थी। दो ट्रिपिंग 132 केवी लाइन से संबंधित थी व एक ट्रिपिंग 33 केवी लाइन में हुई जिसका कारण घना कोहरा होना पाया गया।

क्या है ऑटोमेटिक बस ट्रांसफर सिस्टम : ऑटोमेटिक बस ट्रांसफर सिस्टम (एबीटीएस) या बस ट्रांसफर सिस्टम (बीटीएस) उद्योगों में बिजली आपूर्ति की निरंतरता व विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए अपनाई गई एक योजना है। इस एबीटीएस के तहत सामान्य बिजली आपूर्ति विफल होने या ट्रिप होने पर लोड बस को वैकल्पिक स्रोत में स्थानांतरित किया जाता है, जिससे विद्युत आपूर्ति की निरंतरता बनी रहती है।

राजस्व मंडल का नवाचार : अब मुकदमों के फैसले वेबसाइट पर अपलोड होंगे

अजमेर, (कासं)। राजस्व मंडल अजमेर ने नवाचार करते हुए राजस्व मंडल में प्रतिदिन होने वाले मुकदमों की हस्ताक्षरशुदा फैसले की प्रति उसी दिन मंडल की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। प्रतिदिन होने वाली सुनवाई की ऑर्डरशीट भी अपलोड होगी, जिससे पक्षकार को तत्काल उसी दिन फैसले की प्रतिलिपि मिल सकेगी।

राजस्व मंडल ने राज्य सरकार से 37 मल्टी फंक्शनल डिवाइस की मांग की थी, जिस पर पूर्व की गहलोत सरकार ने बजट घोषणा में प्रावधान किया था। अजमेर स्थित राजस्व मंडल में वर्थ रिकॉर्ड (डब्ल्यूआर) सहित सभी फैसले वेबसाइट पर अपलोड होते हैं। इससे पक्षकार को घर बैठे ही उसके मुकदमों के फैसले की जानकारी मिल जाती है, लेकिन वह इस फैसले का आगे उपयोग नहीं कर पाता, क्योंकि इसका मुख्य कारण मंडल कोर्ट में सुनाए गए फैसले में सदस्य के हस्ताक्षर व सील होती है।

स्कैनर नहीं होने से यह फैसले स्केन नहीं हो पाता है, इसलिए इस फैसले की कॉपी की बजाए फैसले की कम्प्यूटर में टाइप किए गए फैसले की पीडीएफ ही अपलोड की जाती है। लेकिन अब स्कैनर उपलब्ध होने से मूल फैसलों को स्कैन का वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। इससे पक्षकार इसका नकल के रूप में उपयोग कर सकेंगे और पालना करवाने के लिए भी प्रस्तुत कर सकेंगे। इसी प्रकार राजस्व मंडल के अलावा अधीनस्थ राजस्व अदालतों संभागीय आयुक्त, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त, राजस्व अपील अधिकारी, कलेक्टर कोर्ट में ई-साइंड जजमेंट जारी किए जाते हैं, जिसका उपयोग पक्षकार कर सकते हैं।

- **प्रतिदिन होने वाली सुनवाई की ऑर्डरशीट भी अपलोड होगी**
- **जिससे पक्षकार को तत्काल उसी दिन फैसले की प्रतिलिपि मिल सकेगी**

राशिफल

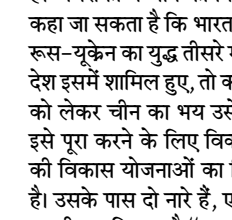

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 5 जनवरी 2024

पौष मास कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, विक्रम सम्वत 2080, चित्रा नक्षत्र सायं 3.50 तक, सुकर्मा योग शनिवार प्रात: 6.49 तक, तैतिल करण दिन 10.56 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति - सूर्य-धनु, चन्द्रमा-तुला, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरु-मेष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन-केतु-कन्या राशि में संचार करेगा।

आज सवार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 9.23 तक है।

श्रेष्ठ चौघडिया - चर - सूर्योदय से 8.14 तक, लाभ-अमृत 8.14 से 11.14 तक, शुभ - 12.32 से 1.50 तक।

राहुकाल - 10.30 से 12.00 तक

सूर्योदय - 7.21 सूर्यास्त 5.43

मेष
परिवार में प्रसन्नता हर्षोउल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक सामाजिक समारोह संपन्न हो सकते हैं। सामुहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष
मित्रों-रिश्तेदारों से चल रहे मतभेद दूर होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

कर्क
घर-परिवार में सुख शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बडेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। अथितियों का आगमन बना रहेगा।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में मनोरंजन मौज-मस्ती के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या
धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अर्नगल कार्यों में खराब हो सकता है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरी पैशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

वृश्चिक
आर्थिक वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक व आर्थिक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में धार्मिक कार्य संपन्न हो सकते हैं।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरी पैशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है।